

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
26.11.2014 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 513

नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र

513. श्री पी. के. बिजू :

श्री प्रहलाद सिंह पटेल :

श्री सुशील कुमार सिंह :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार का विचार मध्य प्रदेश के नांदिया जिले सहित देश के विभिन्न राज्यों में नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों (एनपीपी) को स्थापित करने का है;
- (ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन संयंत्रों की वर्तमान स्थिति क्या है तथा राज्य और स्थान-वार इनकी क्षमता कितनी है;
- (ग) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान सभी निर्माणाधीन एनपीपी पर निर्मुक्त निधियाँ और वहन किये गए व्यय का ब्यौरा क्या है और राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय-संस्थानों से इन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता यदि कोई ली गई है, तो क्या है; और
- (घ) सरकार द्वारा देश में नाभिकीय ऊर्जा रिएक्टरों के लिए पर्याप्त ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

- (क) तथा (ख) XIIवीं पंचवर्षीय योजना के प्रस्तावों के अन्तर्गत, 700 मेगावाट क्षमता वाले आठ स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर्ज), (जिनमें मध्य प्रदेश के मंडाला जिले में 700 मेगावाट क्षमता वाले दो रिएक्टर शामिल हैं), द्वि-यूनिट आधार पर स्थापित किए जाने वाले 1000 मेगावाट अथवा उससे अधिक क्षमता वाले आठ साधारण जल रिएक्टर (एलडब्ल्यूआर्ज), 500 मेगावाट क्षमता वाले दो फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर 1 तथा 2), और 300 मेगावाट क्षमता वाले एक प्रगत भारी पानी रिएक्टर की स्थापना से संबंधित काम शुरू करने की परिकल्पना की गई है।

परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है :

परियोजना	अवस्थिति	क्षमता (मेगावाट)
स्वदेशी रिएक्टर		
गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी 1 तथा 2)	गोरखपुर, हरियाणा	2 x 700
चुटका मध्य प्रदेश परमाणु विद्युत परियोजना (सीएमपीएपीपी 1 तथा 2)	चुटका, मध्य प्रदेश	2 x 700
माही बाँसवाड़ा, 1 तथा 2	माही बाँसवाड़ा 1 तथा 2, राजस्थान	2 x 700
कैगा 5 तथा 6	कैगा, कर्नाटक	2 x 700
फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर 1 तथा 2)	कलपाक्कम, तमिलनाडु	2 x 500
प्रगत भारी पानी रिएक्टर (एएचडब्ल्यूआर)	स्थल का निर्णय अभी किया जाना है	300

विदेशी सहयोग से स्थापित किए जाने वाले रिएक्टर		
कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत परियोजना (केकेएनपीपी 3 तथा 4)	कुडनकुलम, तमिलनाडु	2 x 1000
जैतापुर नाभिकीय विद्युत परियोजना (जेएनपीपी 1 तथा 2)	जैतापुर, महाराष्ट्र	2 x 1650
कोव्वाडा, 1 तथा 2	कोव्वाडा, आंध्र प्रदेश	2 x 1500
छाया मीठी विरदी, 1 तथा 2	छाया मीठी विरदी, गुजरात	2 x 1100

- (ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान और चालू वर्ष में, देश में निर्माणाधीन सभी नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के लिए जारी की राशि, और किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है :

क्रम संख्या	परियोजना	संशोधित अनुमान (आरई)/वास्तविक व्यय (करोड़ रूपए)							
		2011-12		2012-13		2013-14		2014-15	
		संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय	संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय	संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय	संशोधित अनुमान	वास्तविक व्यय (सितम्बर, 2014 तक)
1.	केएनपीपी 1 तथा 2, कुडनकुलम, तमिलनाडु	1000	933.58	1200	1292.31	1500	1555.45	568	412.66
2.	केएपीपी 3 तथा 4, ककरापार, गुजरात	1218	1077.38	1220	1092.22	2053	1779.56	2200	1020.52
3.	आरएपीपी 7 तथा 8, रावतभाटा, राजस्थान	862	545.73	915	936.82	918	996.12	1900	476.77

न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने उल्लिखित अवधि के दौरान उपर्युक्त परियोजनाओं के लिए किसी राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान से कोई वित्तीय सहायता नहीं ली है।

- (घ) सरकार ने, नई खानें और संसाधन सुविधाएं खोलकर स्वदेशी यूरेनियम आपूर्ति में वृद्धि करने के प्रयास किए हैं। अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण के सुरक्षोपायों के अधीन वाले रिएक्टरों के लिए ईंधन की आपूर्ति, इन रिएक्टरों के लिए ईंधन के अन्तर्राष्ट्रीय आयात हेतु यूरेनियम आपूर्तिकर्ताओं के साथ करारों और अनुबंधों पर हस्ताक्षर करके सुनिश्चित की जाती है। अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से स्थापित किए गए रिएक्टरों के मामले में, इन रिएक्टरों के पूरे जीवन-काल के लिए ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के वास्ते, वाणिज्यिक अनुबंधों में आवश्यक प्रावधान किए गए हैं।

* * * * *